सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका - अंक 13 जनवरी 2021

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

देश लोगों का समूह है जो- एक लक्ष्य, एक आदर्श, एक मिशन के साथ जीते हैं, और धरती के एक टुकड़े को मातृभूमि के रूप में देखते हैं। यदि आदर्श या मातृभूमि इन दोनों में से एक भी नहीं है, तो देश का कोई अस्तित्व नहीं है।

– दीनदयाल उपाध्याय

suryaadarshgaonyojna
suryafoundation1
sf10idealvillage
surya_foundation
suryafoundation
@suryafnd

www.suryafoundation.org

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा काशी क्षेत्र में हुए बदलाव

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा काशी क्षेत्र में आदर्श गाँव योजना का कार्य 2012 से शुरू किया गया। वर्तमान समय में काशी क्षेत्र में 4 जिलों के 21 गाँवो में 20 सूर्या संस्कार केन्द्र, 12 सूर्या यूथ क्लब तथा 1 सूर्या सिलाई केन्द्र के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। आज कार्ययुक्त गाँवों में बहुत से बदलाव देखने को मिल रहे हैं -

- काशी क्षेत्र में 20 गाँवों में कबड्डी, दौड़, क्रिकेट, सूर्य नमस्कार, वॉलीबॉल, क्विज आदि प्रतियोगिताओं के माध्यम से 16,000 युवाओं को जोड़ा गया तथा विजेताओं को प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित भी किया गया।
- 5 गाँवों में 15 स्वयं सहायता समूह बनाये गये। महिला स्वावलंबन की दृष्टि से कादीपुर गाँव में 120 परिवार के सदस्यों द्वारा जनेऊ बनाने का कार्य चल रहा है। इससे प्रत्येक व्यक्ति को लगभग 3000/- रुपये प्रतिमाह की आमदनी होती है।
- गाँव कादीपुर में अब तक 20 चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, इसके माध्यम से लगभग 3000 महिला, पुरुष तथा बच्चे स्वास्थ्य परीक्षण कराकर चिकित्सा का लाभ ले चुके हैं।
- महिला स्वावलंबन की दृष्टि से आदर्श गाँव कादीपुर में 30 बहनों ने सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त करके अपना रोजगार शुरू कर दिया है, महिला आयोग की सदस्य श्रीमती मीना चौबे जी के द्वारा उन्हें प्रमाण-पत्र भी दिया गया है।
- कादीपुर गाँव में पोषण वाटिका हेतु 50 परिवारों को राष्ट्रीय सब्जी अनुसंधान केन्द्र (वाराणसी) से बीज दिया गया। इससे उनके घरों में पोषण वाटिका के माध्यम से दस प्रकार की सब्जियाँ उगाई जा रही है।
- 9000 बच्चों को स्वयं सहायता समूह की बहनों के माध्यम से फ्रूटी का वितरण किया गया।
- स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से 5 विकलांगों को ट्राई साइकिल दिलाई गई।
- किसानों को बेहतर तकनीक दिलाने के लिए किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त किसान श्रीप्रकाश रघुवंशी जी के माध्यम से बीजों का वितरण भी कराया गया तथा उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।
- जैविक कृषि अपनाने हेतु सूर्या फाउण्डेशन के माध्यम से किसानों की गोष्ठी आयोजित कराई गई। जिसके परिणाम स्वरूप 10 किसान आज जैविक कृषि कर रहे हैं।
- उत्तर प्रदेश सरकार के माध्यम से कादीपुर गाँव के 50 परिवारों को चना, अरहर तथा मूंग की दाल के बीज का वितरण करा कर लाभ दिलाया गया।
- 10 विधवा पेंशन, 20 वृद्धा पेंशन, 3 विकलांग पेंशन, 25 लेबर कार्ड तथा 350 मजदूर संगठन कार्ड बनवाए गए।
- दो बहनों को सुकन्या समृद्धि योजना का खाता खुलवाया गया।
- तीन मजदूरों को श्रम विभाग से साइकिल दिलायी गयी।
- कोरोनाकाल में सिलाई केन्द्र की 10 बहनों के द्वारा 5000 मास्क बनाकर नि:शुल्क वितरण किया गया।
- सूर्या फाउण्डेशन तथा अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से लगभग 5000 मास्क, 100 सैनिटाइजर तथा 100 परिवारों में राशन वितरण किया गया।
- काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित काढ़ा कादीपुर गाँव के 150 परिवारों में वितरित किया गया।
- अभी तक सूर्या फाउण्डेशन द्वारा वृक्षारोपण अभियान में लगभग 34,72,607 पौधे 120 गाँवो में लगाये गये।
- सूर्या फाउण्डेशन का प्रशिक्षण प्राप्त कर 4 शिक्षक सेना में तथा 1 पुलिस में कार्यरत हैं।
- योग दिवस पर 51 हजार परिवारों को योगाभ्यास से जोड़ा गया।

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा मेरठ क्षेत्र में हुए काम

मेरठ क्षेत्र (उ.प्र.) में सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत पिछले 7 वर्षों से कई तरह का सामाजिक कार्य किया जा रहा है। उनके कई सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। वर्तमान में मेरठ क्षेत्र के 10 गाँवों में आदर्श गाँव योजना का काम चल रहा है जिसमें 8 संस्कार केन्द्र, 7 यूथ क्लब व 2 सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र हैं।

- फफूँडा गाँव में प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र के माध्यम से 130 महिलाओं को हस्ताक्षर करना सिखाया गया।
- छः स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। उन्हें रोजगार हेतु 2.5 लाख रुपये का लोन भी मिला है।
- 20 बहनों को हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण कराया गया। जिसमें होम डेकोरेटिंग, मिरर होल्डर, टेडी बियर खरगोश, लटकन, तोरण आदि बनाना सिखाया गया।
- जल संरक्षण के लिए एक तालाब का गहरीकरण और एक 1 सोख्ता गड्ढा का निर्माण कराया गया।
- सिलाई केन्द्र पर बहनों को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा एक सिलाई मशीन दी गई है।
- फफूँडा गाँव में सिलाई केन्द्र की बहनों द्वारा सिले गये 600 मास्कों का निःशुल्क वितरण किया गया।
- कोरोना समय में सेवाभावियों द्वारा गाँव के गरीब व वंचित लोगों को राशन वितरित किया गया।
- वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत लगभग एक लाख पौधे लगवाए गए।
- पौधों की सुरक्षा के लिए 10 ट्री-गार्ड लगवाए गए हैं।
- फफूँडा गाँव में 30 बहनों को पंचगव्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें गोनाइल (गो-मूत्र का फिनायल, धूपबत्ती, मंजन, साबुन, आदि बनाना सिखाया गया।
- सेवाभावी सुरेन्द्र जी द्वारा यज्ञ, हवन और अग्निहोत्र हेतु गाय के गोबर उपले बनाने का कार्य किया जा रहा है।
- फफूँडा गाँव के स्वयं सहायता समूह की बहनों को स्कूल की ड्रेस सिलने काम दिलाया गया।
- 50 परिवारों में घर-घर पोषण वाटिका अभियान के अंतर्गत सब्जियों के बीज वितरित किए गए। जिसका लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है।
- कार्ययुक्त सभी गाँवों में मासिक स्वच्छता अभियान चलाया जाता है।
- फफूँडा गाँव में थैला पुस्तकालय का संचालन किया जा रहा है।
- फफूँडा गाँव में सेवाभावियों के सहयोग से गाँव के सार्वजनिक स्थानों पर 10 बड़े डस्टबिन लगवाए गए हैं।
- मेरठ के कार्ययुक्त गाँवों में 430 लोगों को वृद्धा पेंशन का लाभ दिलाया गया।
- 165 बच्चियों के सुकन्या समृद्धि के खाते खुलवाए गए।
- 70 परिवारों को उज्ज्वला योजना का लाभ दिलाया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर : दिल्ली

सूर्या फाउण्डेशन–आदर्श गाँव योजना देशभर के 18 राज्यों के 390 गाँवों में सामाजिक जागरुकता हेतु सूर्या संस्कार केन्द्र, सूर्या यूथ क्लब, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र, स्वयं सहायता समूह, ग्राम विकास समिति, स्वच्छता समिति आदि चलाया जाता है। समय–समय पर अनेक समितियों और संस्थाओं के सहयोग से वृक्षारोपण महाअभियान, जल संरक्षण, स्वच्छता महाअभियान, हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण शिविर, पशु चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, किसान गोष्ठी आदि आयोजित किये जाते हैं।

लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन द्वारा दिनांक 17 जनवरी, 2021 को राजीव गाँधी कैम्प, पंजाबी बाग–दिल्ली में विवेकानन्द हेल्थ मिशन और सेवा भारती के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेष चिकित्सकों द्वारा आँख, दाँत, ब्लड पेशर एवं सामान्य परीक्षण किया गया। जाँच के बाद सभी को निःशुल्क दवाएँ भी वितरित की गयी।

स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से राजीव गाँधी कैम्प और महात्मा गाँधी कैम्प के 150 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। सभी ने सूर्या फाउण्डेशन और सहयोगी संस्थाओं का धन्यवाद किया।

कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन : भानीपुर (काशी)

काशी (उत्तर प्रदेश) क्षेत्र के भानीपुर गाँव में सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा चलाये जा रहे संस्कार केन्द्र के शिक्षक (छविनाथ भैया) द्वारा गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर भानीपुर और उसके आस–पास के गाँव की कबड्डी और दौड़ प्रतियोगिता कराई गयी। प्रतियोगिता में आस–पास गाँव की 20 टीमों ने अपना प्रदर्शन किया।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी युवाओं में उत्साह एवं देखने आये सभी ग्रामवासियों में प्रसन्नता का भाव दिख रहा था। उपस्थित मुख्य अतिथि ने कहा कि 'ऐसी प्रतियोगिताओं से युवाओं में प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत होती है। युवाओं को भविष्य में आने वाली अनेक समस्याओं का समाधान करने में सक्षम बनने के साथ–साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनेंगे। विजेता टीम को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल और प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

खेलो खेल - बनो निरोग

स्वयं सहायता समूह : महिला सशक्तीकरण

श्रीकृष्ण महिला स्वयं सहायता समूह : गुजरात

गुजरात के चंदिया गाँव में श्रीकृष्ण महिला स्वयं सहायता समूह एवं महिला मण्डल स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया। मासिक बैठक में प्रत्येक सदस्य से 50 रुपये की राशि जमा की जाती है। समूह का बैंक में रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। फरवरी माह में इस स्वयं सहायता समूह को ग्रामीण स्वरोजगार योजना से जोड़ने की योजना बनी है।

20 स्वयं सहायता समूहों का गठन : असम

असम के विश्वनाथ जिले में सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा 2020 में कोकिलागुरी, कालाबारी और डुबिया गाँव में 20 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। सभी समूहों का बैंक में रजिस्ट्रेशन करा दिया गया है। प्रत्येक स्वयं सहायता समूहों को 30,000/- रुपये का अनुदान भी प्राप्त हुआ है।

वर्तमान में असम के माननीय मुख्यमंत्री श्रीमान् सर्वानन्द सोनोवाल जी के द्वारा आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत युवाओं एवं महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक अनुदान प्राप्त करने और रोजगार को बढ़ावा देने हेतु **अभिलाषी योजना** का उद्घाटन किया गया। इसके तहत सभी स्वयं सहायता समूहों को जोड़ा जायेगा। जिससे सभी समूहों को रोजगार मिल सके। सभी आत्मनिर्भर हो सके।

युवा दिवस : स्वामी विवेकानंद

हिमांशु
सूर्या फाउण्डेशन

> **उठो! जागो! और लक्ष्य की प्राप्ति तक, रुको मत।**

स्वामी विवेकानन्द युवाओं के प्रेरणा के रूप में पूरे देश में ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में भी प्रतिष्ठित हैं। स्वामी विवेकानन्द जी को आदर्श मानकर सूर्या फाउण्डेशन देशभर में युवाओं के विकास के लिए अनेकों कार्यक्रम करता है। इसी क्रम में 10 से 12 जनवरी 2021 (राष्ट्रीय युवा दिवस) पर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गये। जिसमें देशभर के 335 जिलों के लगभग 10000 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विवेकानन्द जी के प्रेरणादायी विचारों को आज की युवा पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा कई प्रकार की ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सम्भाषण, चित्रकला, बनो विवेकानन्द, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मुख्य रही। इसके साथ-साथ सेवा कार्यों से जुड़कर स्वामी जी के 'नर सेवा नारायण सेवा' के विचार को भी चरितार्थ करने का प्रयास किया गया।

इस कार्यक्रम में कई गणमान्य महानुभावों के शुभकामना संदेश प्राप्त हुए। जिसमें संबित पात्रा जी (भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता), श्री मुकुल कानिटवर जी (भारतीय शिक्षण मण्डल संगठन मंत्री) स्वामी मुनि वत्सलदास जी (अक्षरधाम -दिल्ली) सूर्या फाउण्डेशन के संस्थापक पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल, प्रमुख हैं। इन सभी प्रतियोगिताओं का परिणाम 23 जनवरी 2021 (सुभाषचन्द्र बोस जयंती) के दिन घोषित किया गया। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम जी जानकारी FM Radio पर प्रसारित हुई

रक्तदान शिविर का आयोजन : जयपुर (राजस्थान)

स्वामी विवेकानन्द नवयुवक मंडल एवं सूर्या फाउण्डेशन के प्रयास से निमेड़ा गाँव में 6वीं बार रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें पूर्व विधायक व कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश वर्मा जी उपस्थित रहे। गाँव के युवाओं के साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर रक्तदान शिविर में हिस्सा लिया। इस बार प्रत्येक वर्ष के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 148 यूनिट रक्तदान किया गया। प्रत्येक रक्तदाता को फाउण्डेशन की ओर से प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरुक करते हुए सभी को 1-1 हेलमेट भी दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को फाउण्डेशन की ओर से सम्मानित किया गया।

महिला सशक्तीकरण : सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

महिलाएँ आज किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। महिलाएँ हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। अपने परिवार, गाँव और देश का नाम रोशन कर रही हैं।

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत देश में 20 सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र चलाए जा रहे हैं। इन केन्द्रों के माध्यम से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है। सिलाई शिक्षिका के रूप में गाँव की ही सिलाई जानने वाली बहन को काम दिया गया है। सिलाई प्रशिक्षण में सभी को कटिंग करना, ब्लाउज, पेटीकोट, शर्ट, थैला, मास्क आदि सिलना सिखाया जाता है। वर्तमान समय में सभी केन्द्रों को मिलाकर देशभर में लगभग 300 मातायें-बहनें प्रशिक्षण ले रहीं हैं।

इन सभी बहनों ने प्रतिदिन 2 घण्टे, 6 महीनें तक सिलाई का काम सीखा है। सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से अभी तक 260 महिलायें प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। सभी अपने-अपने घर के कपड़े स्वयं सिलने में सक्षम हैं। प्रशिक्षित महिलायें घर बैठे गाँव वालों के कपड़े सिलकर 2000-4000 रु. प्रतिमाह की आमदनी भी कर लेती हैं। इससे घर की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

कुछ स्थानों पर थैला बनाना, मास्क तैयार करना, मार्केट से कपड़े लाकर सिलाई करना, कपड़े की दुकान चलाना ऐसे कामों की भी शुरुआत हुई है। महिलाओं में आपसी तालमेल, एक दूसरे की मदद करने का भाव पैदा हुआ है। ग्राम विकास के कार्यों में भी वे बढ़-चढ़कर भाग लेती है।

सिलाई केन्द्र के शिक्षिकाओं की सूची

क्रम नाम	गाँव	जिला (राज्य)	क्रम नाम	गाँव	जिला (राज्य)
1. विजय लक्ष्मी	डडुण्डी थांवा	बीदर (कर्नाटक)	11. मंछी कंवर	नांदियाकल्ला	जोधपुर (राजस्थान)
2. रेख वकील	रचप्पा गौण्ड	बीदर (कर्नाटक)	12. मोनिका रानी	बसई	उ.सि. नगर (उ.ख.)
3. चित्रेखा बाई	पेण्ड्री	राजनाँद गाँव (छ.ग.)	13. जयंती देवी	मुझैनाजागीर	बरेली (उत्तर प्रदेश)
4. रेखा देवी	नयागाँव	झज्जर (हरियाणा)	14. ममता	नगलावर	मथुरा (उत्तर प्रदेश)
5. ऊषा देवी	सांखोल	झज्जर (हरियाणा)	15. खुशबू गौड़	लोनाँव	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)
6. सूर्या मुंडू	माहिल	खूंटी (झारखण्ड)	16. विजमा देवी	बारा	कानपुर (उत्तर प्रदेश)
7. गंगा बाई	सलोई	विदिशा (मध्य प्रदेश)	17. बिनीती देवी	परौंख	कानपुर (उत्तर प्रदेश)
8. अनीता ठाकुर	मूण्डला	सीहोर (मध्य प्रदेश)	18. रीमा देवी	कादीपुर	वाराणसी (उत्तर प्रदेश)
9. कविता	मालनपुर	भिण्ड (मध्य प्रदेश)	19. रेखा देवी	फफूँडा	शामली (उत्तर प्रदेश)
10. रिंकी रजावत	खुमानकापूरा	भिण्ड (मध्य प्रदेश)	20. रीता	मंगलापुर	शामली (उत्तर प्रदेश)

पराक्रम दिवस : सुभाषचन्द्र बोष जयंती

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा संचालित सूर्या संस्कार केन्द्र एवं सूर्या यूथ क्लब में सुभाषचन्द्र बोस जी की जयंती कार्यक्रम धूमधाम से मनायी गयी। केन्द्रों पर दौड़ प्रतियोगिता, सूर्य नमस्कार, खेलकूद प्रतियोगिता सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में अग्रोहा में सूर्या फाउण्डेशन, युवा भारत अग्रोहा, गौ-सेवा समिति, बजरंग अखाड़ा, रक्तदान सेवा समिति और पतंजलि योग समिति के सामूहिक सहयोग से राजीव गाँधी स्टेडियम, अग्रोहा में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ प्रतियोगिता 400 मीटर, 800 मीटर, 1600 मीटर और सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता करायी गयी। प्रमुख आकर्षण रहा सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता। 108 प्रतिभागियों द्वारा 108 लगातार सूर्य नमस्कार लगाए गये, फिर उसके बाद सही स्थिति करने वाले प्रतिभागियों का विजेता के रूप में चयन किया गया।

दौड़ प्रतियोगिता में सूर्या यूथ क्लब के शिक्षक पंकज भैया ने भी दौड़ में भाग लेकर 1600 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर फाउण्डेशन का नाम रोशन किया। ऐसे ही 800 मीटर में भी सूर्या यूथ क्लब के खिलाड़ी विनय ने पहला स्थान प्राप्त किया। इन प्रतियोगिताओं में हिसार जिले के 25 गाँव के लगभग 200 भैया-बहनों ने भाग लिया।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा पराक्रम दिवस के अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन मुख्य अतिथि श्री बब्लू गोदरा जी (सरपंच अग्रोहा), श्री संदीप छाछिया (जिला पार्षद), अरविंद बिश्नोई जी, सुनील जी (पतंजलि योग पीठ) की उपस्थिति में संपन्न हुआ। सभी विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं मेडल से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को सूर्या फाउण्डेशन की ओर से सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस : 26 जनवरी

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा कार्ययुक्त 390 गाँवों में गणतंत्र दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में अलग-अलग स्थानों पर कई तरह के सांस्कृतिक और देशभक्ति कार्यक्रम किये गये। इस अवसर पर 4500 लोगों ने भाग लिया। प्रत्येक कार्यक्रम में प्रतिष्ठित, समाजसेवी, आर्मी ऑफिसर, सेवा निवृत्त पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उपस्थित मुख्य अतिथियों ने सभी को गणतंत्र दिवस के बारे में विस्तार से बताया।

अच्छे स्वास्थ्य हेतु बातें

1. हवा :-

- हवा को प्राणवायु कहा गया है।
- बिना भोजन किये कई दिन रह सकते है, परंतु हवा बिना कुछ पल भी रहना मुश्किल होता है।
- मुंह ढक कर नहीं सोना चाहिए तथा खिड़की, खोलकर सोना चाहिए ।
- अच्छी हवा के लिए वृक्षारोपण सहायक हैं।
- लंबी - गहरी साँस के साथ सुबह / शाम टहलना बहुत लाभदायी है।

2. पानी :-

- पानी भी जीवन के लिए बहुत आवश्यक है। शरीर में पानी का स्तर बनाए रखना चाहिए।
- सुबह उठकर पानी (उषापान) पीना चाहिए। इससे कब्ज की समस्या नहीं होती।
- नियमित पानी पीने से चेहरे पर झुर्रियाँ नहीं पड़ती हैं।
- भोजन के 20 मिनट पूर्व या 1 घंटे पश्चात् पानी अमृत तुल्य माना जाता है। भोजन के साथ पानी न पियें।
- गर्मी के दिनों में घड़े का एंव सर्दी में ताँबे के बर्तन का पानी लाभकारी होता है।

3. भोजन :-

- हमारा भोजन ही हमारी औषधि है। भोजन में कच्चा आहार 30 प्रतिशत रहना चाहिए।
- मैदा, चीनी, डालडा सफेद जहर के सामान होते है। इन्हें छोड़ दें।
- कच्चे आहार में अमृतान्न है। तला भुना भोजन शरीर में वसा बढ़ाता है।
- अंकुरित में जीव शक्ति होती है। इसके सेवन से हमारी जीवनी शक्ति भी बढ़ती है।

4. दूध :-

- रात को सोने से पूर्व दूध नहीं पीना चाहिए, इससे कब्ज होता है। दूध सुबह अल्पाहार के समय ही लेना चाहिए।
- भोजन के सभी छः पोषक तत्व- कार्बोहाइड्रेड, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज, लवण, जल दूध में पाए जाते है।
- दूध गर्म करने से पोषक तत्व मर जाते हैं, इसलिए ताजा दूधा कच्चे रूप में सुबह पीना अधिक लाभकारी माना जाता है।

5. गुड़ :-

- भोजन में गुड़ का प्रयोग करना चाहिए। गुड़ रक्त में हीमोग्लोबिन को बढ़ाता है।
- आज भी गाँवों में कहीं-कहीं बाहर से आए अतिथियों को पानी के साथ गुड़ देने की परम्परा है। इससे थकान दूर होकर शरीर को ऊर्जा मिलती है।
- गुड़ से खून शुद्ध होता है अतः प्रदूषित स्थानों पर काम करने वालों के लिए इसका सेवन अनिवार्य है।

6. मुस्कान :-

- हमें हमेशा प्रसन्न रहना चाहिए।
- दिन में 3-4 बार खुलकर हँसना चाहिए। हँसने से आँतों में कंपन होता है, आंतों में चिपका हुआ मल बाहर निकल जाता है।
- किसी का मजाक उड़ाने के लिए नहीं हँसना चाहिए।

7. दाँत :-

- हमें सुबह और शाम दाँतों की सफाई करनी चाहिए।
- सप्ताह में एक बार हल्दी नमक मंजन का प्रयोग करना चाहिए।
- बिल्कुल ठण्डा या गर्म पानी नहीं पीना चाहिए।
- ब्रश करते समय ब्रश को दाँतों के गैप में से गुजारना चाहिए।
- कुछ भी खाने के पश्चात् सदैव कुल्ला करना चाहिए।
- रात्रि को सोने से पहले मंजन अवश्य करना चाहिए।
- अपने मसूड़ो की मजबूती के लिए मसूड़ों की मालिश अवश्य करना चाहिए।

आँख :- दिन में 3-4 बार आँखों में ठण्डे पानी के छपके मारने चाहिए। बन्द आँखों से सूरज को देखना चाहिए। सप्ताह में एक या दो बार गुलाब जल का प्रयोग करने से आँखे साफ रहती हैं।

कान :- सरसों का तेल में लहसुन की कली लाल होने तक गर्म करें। ठण्डा होने पर उतार लें। इसकी दो बूँद सप्ताह में एक कान में डालना चाहिए। कान में उंगली या कोई नुकीली चीज नहीं घुसानी चाहिए। ज्यादा आवाज में गाना नहीं सुनना चाहिए। ईयरफोन का उपयोग कम करना चाहिए।

चींटी से ईमान, बगुले से तरकीब

चींटी:- बड़े से कुनबे के साथ रहने वाली चींटियाँ संघर्ष, मेहनत और ईमानदारी का प्रेरक उदाहरण हैं। मात्र कुछ दिनों के जीवन चक्र में चीटियाँ हमेशा निर्धारित काम में जुटी रहती हैं। रानी चींटी अपना काम करती है तो मजदूर चींटी अपना। अपने वजन से कई गुना अधिक वजन ढोना, साथियों के साथ सांझा ग्रुप बनाकर भोजन ढूँढ़ना और उसे अपने बिल तक ले जाने का काम ईमानदारी से करने वाली चींटियाँ अपने अस्तित्व को बचाये रखती हैं।

सीख-ईमानदारी से मेहनत और चुनौती लेने का साहस।

गिलहरी:- शर्मीली गिलहरी की अपनी एक अनुशासित दिनचर्या और जीवनशैली होती है। हमेशा परिवार में रहने वाली गिलहरी अनुकूल मौसम मे भोजन इकट्ठा करती है जो उसे प्रतिकूल मौसम में काम आता है। दाने और बीज खाने की शौकीन गिलहरी इन्हें इकट्ठा करके जमीन में दबा देती है और भूल जाती है। अनजाने में ही उसका ये काम पर्यावरण का मददगार बनता है। कहा जाता है कि दुनिया में कई जंगल गिलहरियों ने उगाये हैं।

सीख-परिवार भावना, पूर्व तैयारी व विश्व का कल्याण।

गिरगिट:- रंग बदलने वाला गिरगिट प्राकृतिक अनुकूलन अपनाने वाला शानदार सरीसृप है। पेड़ों और झाड़ियों में बसेरा करने वाला गिरगिट एक प्रकृति मित्र जीव है और दिनभर में सैकड़ों कीड़े खाकर पौधों की रक्षा भी करता है। कुदरत ने इसे ऐसी त्वचा दी है कि यह रंग बदलकर भक्षक जीवों से अपनी रक्षा कर सकता है। लंबी जीभ और संतुलन बनाने की क्षमता इसके शरीर की सहायक बनती है। इसकी खासियत है कि यह अपनी भूख से ज्यादा नहीं खाता और भूखे रहकर भी जिंदा रह सकता है।

सीख- रक्षात्मक गुण, शरीर संतुलन और अनुकूलनता।

तितली:- खूबसूरत और चंचल तितली सिर्फ वहाँ पाई जाती है जहाँ पर्यावरण स्वच्छ होता है। एक छोटी सी इल्ली से तितली बनने का चक्र अत्यंत जटिल और खतरों से भरा होता है लेकिन तितली इसे सफलता पूर्वक पूरा करती है। तितली पर्यावरण की सच्ची दोस्त बनकर रहती है, क्योंकि यह संचय कुछ भी नहीं करती, जो मिलता है बांटती जाती है।

सीख- संघर्ष और वितरण।

कछुआ:- सबसे ज्यादा जीवन जीने वाला शर्मीला कछुआ अपनी विशिष्टताओं के कारण कुदरत का दुलारा है। पानी को गंदगी से बचाने वाले कछुए को कुदरत ने रक्षा के लिए पत्थर जैसा कवच दिया है, लेकिन इसके बावजूद यह हिंसक प्राणी नहीं है। जल हो या जमीन कछुआ हर विपरीत परिस्थिति में अस्तित्व को बनाये रखता है।

सीख- जीने का ढंग और संघर्षशीलता।

बगुला :- पक्षियों में सबसे चतुर माना जाने वाला बगुला शिकार में सफलता के लिए नई-नई तरकीबें आजमाने में माहिर होता है। पानी में घण्टों तक एक पैर पर खड़े रहना, पैर को सूखी लकड़ी की तरह प्रदर्शित करना, जानवरों की पीठ पर सवारी करना और खेत में हल के पीछे - पीछे दौड़ना इसकी कुछ खास तरकीबें हैं।

जहाँ अन्य पक्षी **'ढूंढ़ो और खाओ'** वाली नीति अपनाकर अपना पेट भरते हैं, वहीं बगुला इसके लिए सफल तरकीबें आजमाता है। पक्षी विज्ञानी भी मानते हैं कि बगुला हर परिस्थिति से साहस और चतुरता के साथ मुकाबला करता है।

सीख- चतुराई, संयम और साहस।

बोधकथाएँ

कवि का स्वाभिमान

एक दिन राजा मानसिंह प्रसिद्ध कवि कुंभनदास के दर्शन के लिए वेश बदलकर उनके घर पहुँचे। उस समय कुंभनदास अपनी बेटी को आवाज लगाते हुए कह रहे थे– 'बेटी जरा दर्पण तो लाना, तिलक लगाना है।' बेटी जब दर्पण लाने लगी तो वह नीचे गिरकर टूट गया।

यह देखकर कुंभनदास बोले, 'कोई बात नहीं, किसी बर्तन में जल भर लाओ।' राजा मानसिंह कुंभनदास के पास बैठकर बातें करने लगे और बेटी एक टूटे हुए घड़े में पानी भरकर ले आई। जल की छाया में अपना चेहरा देखकर कुंभनदास ने तिलक लगा लिया।

यह देखकर राजा मानसिंह दंग रह गए। वह कुंभनदास से अत्यंत प्रभावित हुए। राजा यह सोचकर प्रसन्न थे कि कवि कुंभनदास उन्हें पहचान नहीं पाए हैं। राजा मानसिंह वहाँ से चले गए। अगले दिन वह एक स्वर्ण जड़ित दर्पण लेकर कवि कुंभनदास के पास पहुँचे और बोले, 'कविराज, आपकी सेवा में यह तुच्छ भेंट अर्पित है। कृपया इसे स्वीकार कीजिए।' कुंभनदास विनम्रतापूर्वक बोले, 'महाराज आप! अच्छा तो कल वेश बदलकर आप ही हमसे मिलने आए थे। कोई बात नहीं। हमें आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। पर एक विनती है।'

राजा ने पूछा, क्या कविराज? कुंभनदास बोले, 'आप मेरे घर अवश्य आइए लेकिन खाली हाथ। यदि आप अपने साथ ऐसी ही वस्तुएं लेकर आते रहे तो बेकार की वस्तुओं से मेरा घर भर जाएगा। मुझे व्यर्थ की वस्तुओं से कोई मोह नहीं। मुझे बस माँ सरस्वती की कृपा की आवश्कता है। कवि के इस स्वाभिमानी रूप को देखकर राजा आश्चर्यचकित रह गए। वह समझ गए कि कवि कुंभनदास की निर्धनता उनकी विवशता नहीं है, बल्कि इसी तरह का जीवन उन्हें संतुष्टि देता है। वह लोभ, मोह, माया आदि से बहुत ऊपर उठ चुके हैं। उस दिन से कुंभनदास राजा के प्रिय हो गए।

एकाग्रता की ताकत

वीर बहादुर एक सर्कस में काम करता था। वह खतरनाक शेरों को भी कुछ ही समय में पालतू बना लेता था। एक दिन सर्कस में एक नौजवान आया।

वह जानवरों के हाव – भाव और हरकतों पर रिसर्च कर रहा था।

उसने वीर बहादुर से कहा, 'आपका बहुत नाम सुना है। खतरनाक शेर को भी पालतू कैसे बन लेते हैं आप?'

वीर बहादुर ने मुस्कराते हुए कहा, 'देखो, यह कोई राज नहीं है। तुम बड़े सही मौके पर आए हो। आज ही मुझे एक खतरनाक शेर को पालतू बनाना है। वह कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। तुम मेरे साथ चलना और वहाँ खुद देखना कि मैं कैसे यह काम करता हूं।'

नौजवान ने देखा कि वीर बहादुर ने अपने साथ न कोई हथियार लिया और न ही बचाव के लिए कोई दूसरी चीज। उसने अपने साथ बस एक लकड़ी का स्टूल लिया है। वह हैरान था कि स्टूल से वीर बहादुर खतरनाक शेर को कैसे काबू कर लेगा। शेर जैसे ही वीर बहादुर की तरफ गरज कर लपकता, वह स्टूल के पायों को शेर की तरफ कर देता।

शेर स्टूल के चारों पायों पर अपना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता और असहाय हो जाता। ध्यान बंटने के कारण कुछ ही देर बाद शेर वीर बहादुर का पालतू बन गया।

इसके बाद वीर बहादुर ने नौजवान से कहा, 'अक्सर ऐसा होता है कि एकाग्र व्यक्ति साधारण होने पर भी सफल हो जाता है,

लेकिन असाधारण व्यक्ति भी ध्यान बंटने के कारण शेर की तरह पराजित हो जाता है।'

नौजवान ने तभी तय कर लिया कि वह जीवन में हर काम एकाग्र होकर करेगा।

समाचार पत्रों में...

स्पर्धा | युवा दिवस को लेकर भाषण, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी के साथ-साथ बनो विवेकानंद का भी किया आयोजन

स्पर्धा में 10 हजार विद्यार्थियों ने लिया भाग

संवाद न्यूज एजेंसी

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन की ओर से राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में 10 से 12 जनवरी तक ऑनलाइन प्रतियोगिताओं और सेवा कार्यों का आयोजन किया। इन आयोजनों में देशभर से 10000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों में भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी के साथ-साथ 'बनो विवेकानंद' का भी आयोजन किया गया।

स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा पहनकर उनके शक्तिदायी और प्रेरक विचार विद्यार्थियों द्वारा रखे गए। चित्रकला में विद्यार्थियों द्वारा स्वामी विवेकानंद के जीवन प्रसंग का चित्र बनाए गए। भाषण प्रतियोगिता में भी लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्वामी के जीवनी और उनके विचार संदेशों को विद्यार्थी ठीक से अध्ययन एवं अनुसरण करें, इसके लिए स्वामी के जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता नर सेवा नारायण सेवा की सोच के आधार पर बनी थी, जिसमें युवाओं को किसी भी प्रकार से सेवा कार्य में जुड़कर कार्य करना था। फाउंडेशन के

स्वामी विवेकानंद का जयकारा लगाते सूर्या बाल संस्कार से जुड़े बच्चे। संवाद

प्रवक्ता ने बताया कि यह प्रयोग भी काफी सफल हुआ। पद्मश्री जयप्रकाश, भाजपा प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा, देव संस्कृति विश्वविद्यालय के डॉ. चिन्मय पंड्या, भारतीय शिक्षा मंडल के मुकुल कानिटकर, अक्षरधाम दिल्ली के स्वामी वत्सल दास ने इसके लिए शुभ संदेश भी भेजे हैं।

पद्मश्री जयप्रकाश ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने मात्र 29 वर्ष 6 माह की आयु में सारे विश्व को चमत्कृत करने वाला कार्य किया।

अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की, लेकिन भारत के साथ उन्होंने अपने जीवन को एकाकार कर लिया। पूरे अमेरिका ने स्वामी को एक उभरते हुए युवा संन्यासी के रूप में स्वागत किया। स्वामी के विचार सदा हमें प्रेरित करते रहेंगे।

23 को घोषित होंगे परिणाम

ऑनलाइन हुई प्रतियोगिताओं का परिणाम 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर घोषित किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों का प्रमाण पत्र देने के साथ विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिताओं के परिणाम को सूर्या फाउंडेशन की वेबसाइट पर देखा जा सकता है। इसके सफल संचालन में गौतम, प्रमोद, हिमांशु आदि का विशेष सहयोग रहा। इस तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रतियोगिता में अंतिम दिन 12 जनवरी को नयागांव में बच्चों द्वारा स्वामी विवेकानंद बनकर जागरूकता रैली निकाली गई। ऐसे ही साखोल में उनके जीवन पर संभाषण कराए गए। जाखोदा में वॉलीबॉल मुकाबला तो प्रकाश नगर में दौड़ प्रतियोगिता करवाई गई। इसी प्रकार हरियाणा के अन्य जिलों में भी स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य रूप से भंवर सिंह सह क्षेत्र प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप, अरुण राजपूत व सभी शिक्षकों का सहयोग रहा।

विवेकानंद जयंती पर हेल्थ कैंप का आयोजन

वाराणसी (काशीवार्ता)। सूर्या फाउंडेशन द्वारा आदर्श गांव कादीपुर में मंगलवार को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन पॉपुलर हॉस्पिटल, कृष्णा हॉस्पिटल व शिवाजी यूथ ब्रिगेड के सहयोग से आयोजित किया गया। सूर्या फाउंडेशन के काशी क्षेत्र प्रमुख कुलदीप मान शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के नर सेवा नारायण सेवा को ध्यान में रखते संस्था के चेयरमैन पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल की प्रेरणा कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कृष्णा हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.आशीष माथुर व पॉपुलर हॉस्पिटल के डॉ.संजय वर्मा, डॉ.सुमित पटेल डॉ.रश्मि राय, डॉ.कुसुम सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गो सेवा विभाग के प्रांत प्रमुख अरविंद सिंह, कथावाचक महेंद्र उपाध्याय द्वारा किया गया। हेल्थ कैम्प में लगभग 50 से अधिक महिला पुरुष तथा बच्चों की जाँच की गई। इस दौरान रामविलास बिंद, सुरेंद्र बिंद, दीपचंद बिंद, भरत शाह, सुंदर बिंद व रीमा बिंद, सुशीला पटेल, माधुरी सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।

विशाल रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

140 यूनिट रक्त एकत्रित

हमारा समाचार

निमेड़ा/ मुन्ना चौधरी। राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अवसर पर विवेकानंद नवयुवक मंडल, निमेड़ा के तत्वावधान व सूर्या फाउंडेशन के सहयोग से छठे विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया गया। मंडल अध्यक्ष मुकेश वर्मा ने बताया कि रक्तदान शिविर में 148 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

और सभी रक्तदाताओं ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। कार्यक्रम में

बगरू), आशु सिंह सुरपुरा (समाजसेवी), डॉ अशोक यादव (शांति ब्लड बैंक, आदर्श मिश्रा (राजस्थान क्षेत्र प्रमुख, सूर्या फाउंडेशन) ओंकार मल लांबा (सरपंच निमेड़ा),प्रभु दयाल वर्मा (पूर्व सरपंच) ओमप्रकाश टेलर लालाराम कुम्हार (मंडल संरक्षक), दुलाराम चौधरी (नारायणा आईटीआई), राधा देवी (उपसरपंच), मदन चौधरी (समाजसेवी) व मंडल के सभी सदस्य व सूर्या जयपुर के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह दिखा रहा सूर्या

भास्कर समाचार सेवा

काशीपुर। सूर्या फाउंडेशन द्वारा ग्राम बसई का मझरा स्थित सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रशिक्षित माताओं बहनों एवं प्रशिक्षिका को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विकास विश्वकर्मा, आइडियल विलेज इंचार्ज, नीतीश कुमार क्षेत्र प्रमुख, छत्रपाल सैनी सेवाभावी, हरीश कुमार क्षेत्र पंचायत सदस्य, मोनिका सैनी शिक्षिका सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र, अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में मां भारती के श्रीचरणों में पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। इस दौरान प्रशिक्षित महिलाओं के अनुभव भी सुने गए।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा दिए गए सिलाई प्रशिक्षण के प्रशस्ति पत्र।

अतिथि विकास विश्वकर्मा व नीतीश कुमार ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन पूरे भारत भर में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र चला रहा है, जिसमें से एक आदर्श गांव बसई का मझरा में भी है। जिस प्रकार महिलाओं को एक महिला ने प्रशिक्षित किया है, इसी प्रकार आगे भी प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अनेकों अनेक परिवार की माताओं बहनों को प्रशिक्षित करें, ऐसा सूर्या फाउंडेशन का सपना है और परिवार में माताओं बहनों को किसी पर निर्भर न रहना पड़े, अपना स्वयं अपने ही कार्य से आत्मनिर्भर माताएं बहनें रहें, इस उद्देश्य के साथ सूर्या फाउंडेशन पूरे देश भर में सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केंद्र चला रहा है।

राजेंद्र हिंदुस्तानी ने बताया कि इस सिलाई प्रशिक्षण केंद्र को सन 2019 से चलाया जा रहा है, जिसमें अभी तक 24 महिलाएं विभिन्न प्रकार की सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। कार्यक्रम के दौरान पुष्पा देवी, राजबाला, उमा रानी, ज्योति, ललिता, आंचल, ज्योति कुमारी, मनीषा आदि उपस्थित रहीं।

सूर्या फाउंडेशन ने पराक्रम दिवस के रूप में मनाई सुभाष चंद्र बोस की जयंती

न्यूज प्रिन्ट ब्यूरो

काशीपुर। आदर्श गांव बसई का मंझरा में सूर्या संस्कार यूथ एवं योग केंद्र पर पराक्रम दिवस के रूप में सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती को मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विकास विश्वकर्मा (आइडियल विलेज इंचार्ज), राजेंद्र हिंदुस्तानी (सेवा प्रमुख), रणधीर सिंह सैनी, हरीश कुमार (शिक्षक सूर्या संस्कार, यूथ, योगा, केंद्र), अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस दौरान राजेंद्र हिंदुस्तानी ने बताया कि भारत सरकार ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती वर्ष को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का निर्णय लिया है, जो 23 जनवरी, 2021 से शुरू होगा। कार्यक्रमों को तय करने और स्मरणोत्सव के निरीक्षण और मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्च

स्तरीय समिति का गठन किया गया है। वहीं सुभाष चंद्र बोस जी के जीवन पर दृष्टि डालते हुए श्री विकास करवाने ने बताया कि पराक्रम दिवस नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म उड़ीसा के एक मध्यवर्गीय परिवार में 23 जनवरी 1897 में हुआ था। उनकी माता उन्हें 1857 के संग्राम तथा विवेकानंद जैसे महापुरुषों की कहानियां सुनाती थी जिससे सुभाष के मन में भी देश के लिए कुछ करने की भावना प्रबल हो उठी। सुभाष बाबू ने जो भी कार्यक्रम हाथ में लेना चाहा गांधीजी और नेहरू के गठ ने उनमें सहयोग नहीं दिया इससे खिन्न होकर सुभाष बाबू ने अध्यक्ष पद के साथ ही कांग्रेस भी छोड़ दी। फिर उन्होंने फारवर्ड ब्लाक की स्थापना की कुछ ही समय में कांग्रेस की चमक इसके आगे फीकी पड़ गई। उन्होंने आजाद हिंद फौज के सेनापति पद से जय हिंद चलो दिल्ली तथा तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा दिया, पर दुर्भाग्य से उनका यह प्रयास सफल नहीं हो पाया। सुभाष बाबू का अंत कैसे, कब और कहां हुआ, यह रहस्य ही है कहां जाता है कि 18 अगस्त 1945 को जापान में हुई एक विमान दुर्घटना में उनका देहांत हो गया। इस दौरान संस्कार केंद्र यूथ क्लब केंद्र के सभी भैया बहन उपस्थित रहे।

एसएसबी व सूर्या फाउंडेशन संस्कार केंद्र के बच्चों ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

खोरीबाड़ी. खोरीबाड़ी प्रखंड अंतर्गत व भारत-नेपाल सीमा के पानी टंकी पर तैनात एसएसबी व सूर्या फाउंडेशन संस्कार केंद्र के बच्चों व कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया. एसएसबी के असिस्टेंट कमांडेंट रवि तेजा ने ध्वजारोहण किया. रवि तेज ने कहा कि हमारा पूरा जीवन भारत माता की सेवा में लगना चाहिए और जिस प्रकार से हो सके देश की सेवा करना चाहिए. इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. इस मौके पर भारत राज, भीखपुरी, विनोद कुमार, सोविन्दो बर्मन, माधव रोहित समेत अन्य उपस्थित थे.